अत्याधुनिक अनुसंधान/ कटिंग-एज रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ाएगा आगे, इंडस्ट्री पार्टनर के रूप में करेगा काम

यूपीईएस का एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इनोवेशन को देगा बढ़ावा

भास्कर समाचार सेवा

भारत। यूपीईएस ने एक मल्टीडिसप्लनेरी विश्वविद्यालय के रूप में भविष्य को ध्यान में रखते हुए हमेशा इनोवेशन को आगे बढ़ाया है और एक्सीलेंस के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। नॉलेज और टेक्नोलॉजी की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित, यूपीईएस में एआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान/ कटिंग-एज रिसर्च और अत्याधुनिक सुविधाओं को एकीकृत/इंटीग्रेट करता है।

यह वर्ल्ड क्लास सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस में अत्याधुनिक अनुसंधान/ कटिंग-एज रिसर्च और डेवलपमेंट को आगे बढ़ाएगा, तथा विभिन्न क्षेत्रों में इन्टर्डिसप्लनेरी सहयोग को बढ़ावा देगा। यह इंडस्ट्री पार्टनरशिप के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा, तथा जॉइंट रिसर्च प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, केंद्र छात्रों को आवश्यक एआई स्किल्स से लैस करने के लिए विशेष कोर्सेज और ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रदान करेगा, जिससे नौकरी के बाजार में उनकी जीतने की शक्ति/ प्रतिस्पर्धात्मकता/ कंपीटिटिवनेस बढ़ेगी।

एआई-संचालित स्टार्ट-अप और एन्त्रेप्रेंयूरिअल वेंचर्स को समर्थन देकर, यह सेंटर इनोवेशन को बढ़ावा देगा और लोकल और नेशनल स्तर पर आर्थिक विकास में योगदान देगा।

एआई-सीओई में हाई-एंड सर्वर,जीपीयू का एक समूह होगा, जिसमें लेटेस्ट एनवीआइडीआइए टेक्नोलॉजी होगी। 2 टेरा बाइट्स से ज़्यादा जीपीयू रैम और एक पेटाबाइट से ज़्यादा स्टोरेज वाला यह सेटअप 40 से ज़्यादा कंकररेंट लार्ज लैंग्वेज मॉडल को सपोर्ट करने में सक्षम होगा। यूपीइएस एआई सीओई सिर्फ़ टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट का सेंटर ही नहीं है, बल्कि यह इनोवेटर्स और थॉट लीडर्स का समुदाय भी है। अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से, यूपीईएस एक मजबूत इकोसिस्टम प्रदान करके इनोवेटर्स और इंटरप्रेन्योर/औंतप्रेन्योर की अगली पीढ़ी का पोषण करता है।

क्रिएटिविटी, क्रिटिकल थिंकिंग और एन्त्रेप्रेंयूरिअल स्पिरिट/उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करता है। यूपीईएस इंडस्ट्री लीडर्स से मार्गदर्शन भी प्रदान करता है और सहयोगी परियोजनाओं/ कोलैबोरेटिव प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देता है जो छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने की शक्ति देता है, जिससे वे दुनिया भर के टॉप एम्प्लॉयर्स की पहली पसंद बन जाते है।

यूपीईएस के बारे में:

उत्तराखंड राज्य विधानमंडल के यूपीईएस अधिनियम, 2003 के माध्यम से स्थापित, यूपीईएस एक शीर्ष रैंक वाला, यूजीसी-मान्यता प्राप्त, निजी विश्वविद्यालय है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2023 के अनुसार, यूपीईएस को इंजीनियरिंग में 54 रैंक और प्रबंधन में 39 रैंक के साथ 52वां स्थान मिला है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 द्वारा भारत में शैक्षणिक प्रतिष्ठा में नंबर 1 निजी विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है। यह दुनिया के शीर्ष 3% विश्वविद्यालयों में से एक है। यूपीईएस को नैक द्वारा ग्रेड 'ए' के साथ मान्यता प्राप्त है और वैश्विक स्तर पर प्रशंसित क्यूएस रेटिंग द्वारा रोजगार (प्लेसमेंट) पर 5 सितारे प्राप्त हुए हैं। पिछले पांच वर्षों में विश्वविद्यालय में 100% प्लेसमेंट हुए हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की सूची के अनुसार, यूपीईएस के 41 (41) संकाय सदस्य दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत शोधकर्ताओं में शामिल हैं।